

आयोग के प्रस्ताव को शासन ने लौटाया, अब उत्तराखंड में पुराने पैटर्न पर ही होगी PCS परीक्षा

चर्चा में क्यों?

26 अप्रैल, 2023 को उत्तराखंड शासन ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के यूपीएससी पैटर्न लागू करने के प्रस्ताव को ठुकराकर आयोग को वापस भेज दिया। पीसीएस परीक्षा का पैटर्न नहीं बदलेगा। आगामी पीसीएस परीक्षा पुराने पैटर्न से ही होगी।

प्रमुख बंदि

- अपर सचवि ललति मोहन रयाल ने इस संबंघ में सचवि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग को शासनादेश भेज दिया है।
- गौरतलब है कि राज्‍य लोक सेवा आयोग ने पछिले दनिों एक प्रस्ताव पास कया था कि चूँकि युवाओं को सविलि सेवा परीक्षा के लयि अलग और उत्तराखंड पीसीएस के लयि अलग तैयारी करनी पड़ती है, इसलए राज्‍य के युवाओं के हति में पीसीएस परीक्षा में यूपीएससी का सविलि सेवा परीक्षा पैटर्न लागू कर दिया जाए।
- इस प्रस्ताव को लेकर प्रदेश भर से मलिी-जुली प्रतिक्रियाएँ आई थीं। कई लोगों का ये कहना था कि अगर राज्‍य में भी केंद्र का यूपीएससी पैटर्न लागू कर देंगे तो राज्‍य के युवाओं के लयि पीसीएस की राह मुश्कलि हो जाएगी। यह भी मांग उठी थी कि अगर यूपीएससी पैटर्न लागू करें तो इसमें उत्तराखंड से जुड़े प्रश्नपत्र अलग रखे जाएँ।
- पीसीएस परीक्षा पैटर्न को लेकर आयोग और शासन के अधिकारियों के बीच कई दौर की बैठक भी हुई। अब शासन ने तय कया है कि फलिहाल पुराना पैटर्न ही लागू रहेगा। आगामी पीसीएस परीक्षा उसी पैटर्न पर होगी। इसमें किसी तरह का बदलाव स्वीकार नहीं कया गया है।
- इस पुराने पैटर्न पर होगी परीक्षा-
 - पीसीएस प्री परीक्षा: 150 अंकों का सामान्‍य अध्‍ययन और 150 अंकों का सामान्‍य बुद्धमिक्ता परीक्षा।
 - पीसीएस मुख्‍य परीक्षा: सात पेपर होते हैं। पहला- भाषा (300 अंकों का), दूसरा- भारत का इतहास, राष्ट्रीय आंदोलन, समाज एवं संस्कृति (200 अंकों का), तीसरा- भारतीय राजव्‍यवस्था, सामाजकि न्‍याय एवं अंतरराष्ट्रीय संबंघ (200 अंकों का), चौथा- भारत एवं वशिव भूगोल (200 अंकों का), पाँचवा- आर्थकि एवं सामाजकि वकिस (200 अंकों का), छठा- सामान्‍य वज्जान एवं प्रोद्योगकि (200 अंकों का) और सातवाँ- सामान्‍य अभरुचि एवं आचार शास्त्र (200 अंकों का)। पीसीएस परीक्षा में भाषा के पेपर में कम-से-कम 35 अंक लाने जरूरी हैं।
 - इंटरव्यू: 200 अंकों का।